B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

Instruction to Candidates

परीक्षार्थिनां कृते निर्देशः

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-'A'** and **Group-'B'** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमतः परीक्षार्थिभिः सावधानतया स्वपठित *एको* विभागो निश्चेतव्यः। ततश्च यथा निर्देशं प्रश्नाः समाधातव्याः।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-'A'** এবং **Group-'B'** *দুটি* বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত *দুটি* বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত *একটি* বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-'A'

BASIC SANSKRIT

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

   নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত-ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

   (a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरूपयत।
   নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।
   सूर्यस्य, मात्रा, वारिषु, मश्यम्।

   (b) निम्नलिखितेषु द्वयोः द्वितीयाबहुवचने रूपं लिखत।
   নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়া-বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।
   मुनि, नदी, दधि, युष्मद्।

   (c) अधस्तनेषु द्वयोः लटि उत्तमपुरूष द्विवचने रूपं लेखनीयम्।
   নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লট্-লকারের উত্তমপুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।
   भू, श्रु, दा, लभ्।

   (d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयोः पुरुषं वचनं च निर्दिशत।
   নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুরূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।
   द्रक्ष्यति, श्रृणु, जानासि, पचेत्।

   (e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पदद्वयं लिख्यताम्।
   নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।
   कमलम्, सौरभम्, नगरी, प्रमाणम्।

(f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।
যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।
(i) एते बालका: _____। (पठन्ति/पठाम:)
(ii) शिशु: चन्द्रं _____। (दृश्यति/पश्यति)

(g) ब्रह्मदत्त: कुत्र प्रतिवसति स्म? स कथं ग्रामान्तरं प्रस्थित:?
ব্রহ্মদত্ত কোথায় বাস করত? সে কেন গ্রামান্তরে প্রস্থান করেছিল?

(h) ग्रामे यात्राकाले ब्रह्मदत्तो मात्रा किमुपदिष्ट:?
গ্রামে গমন সময়ে মা ব্রহ্মদত্তকে কী উপদেশ দিয়েছিল?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃতভাষায় বাক্য গঠন করো।
कवय:, फलानि, कलमेन, मातरम्, वर्तते, गमिष्यामि, पचति।

(b) पञ्चानां वाक्यानां संशोधनं कुरूत।
যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।
(i) साधव: स्वभावेन सरल:।
(ii) गृहस्था: अतिथिं सेवन्ति।
(iii) वर्षायां मार्ग: पिच्छिल: भवति।
(iv) सर्वे प्रजा: नृपं प्रशंसन्ति।
(v) नरपत्यु: आदेश: पालनीय:।
(vi) अष्यानि फलानि आनय।
(vii) मे मित्र: आगच्छति।

(c) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
''अथ तस्य तं निश्चयं ज्ञात्वा, समीपस्थवाप्या: सकाशात् कर्कटमादाय मात्राऽभिहितं – वत्स ! अवश्यं यदि गन्तव्यं, तदेष कर्कटोऽपि सहायो भवतु। तदेनं गृहीत्वा गच्छ।'' सोऽपि मातुर्वचनादुभाभ्यां पाणिभ्यां संगृह्य कर्पूरपूटिकामध्ये निधाय पात्रमध्ये संस्थाप्य शीघ्रं प्रस्थित:।

(d) ब्राह्मी लिप्यां स्वरवर्णा: लेख्या:।
ব্রাহ্মী লিপিতে স্বরবর্ণগুলি লেখো।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20
নির্দেশানুসারে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेय:।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
उत्तीर्ण: सायंकाल:। 'जनशून्यं विस्तीर्णं प्रान्तरम्। तमसा सर्वा दिक् आच्छन्ना। तत्र असहाया एका वधू:। सहसा कश्चिद् गम्भीर: कण्ठस्वर: श्रुत:तिष्ठ इति। प्रविशति पत्न्या सह भीषणदर्शन: कश्चित् दस्यु:। भयहीना सा वधू: दस्युं वदति स्म – 'पित:! तव जामातु: समीपं गच्छामि। सङ्गिविहीनां मां कृपया तत्र नय इति।'

(b) संस्कृतभाषया अनुवादः करणीयः।

সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ করো।

এই বাগানটি সুন্দর। বাগানে সুন্দর সুন্দর গাছ ও লতা আছে। গাছে ও লতায় ফল ও ফুল দেখতে পাওয়া যাচ্ছে। সেখানে ভ্রমররা মধুর গুঞ্জন করছে। কোকিলের কূজনে বসন্ত সেখানে নিত্য বিরাজিত।

(c) ब्राह्मी लिपिमाश्रित्य स्पर्शवर्णाः लेख्याः।

ব্রাহ্মী লিপির অবলম্বনে ক-বর্ণ থেকে ম-বর্ণ পর্যন্ত স্পর্শবর্ণগুলি লেখো।

(d) ''सर्पव्यापादनाद् रक्षितः'' - अत्र कः सर्पव्यापादनात् कथं वा रक्षितः? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपाद्यताम्।

''সর্পব্যাপাদনাদ্ রক্ষিতঃ''- এখানে কে সর্পদংশন থেকে কীভাবে রক্ষা পেয়েছিল, তা পঠিত কথানকের অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group-'B'

ETHICAL AND MORAL ISSUES

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्च* प्रश्नानामुत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) धीमतां मूर्खाणां च कालः कथं गच्छति?

বুদ্ধিমান ব্যক্তিদের ও মূর্খ ব্যক্তিদের সময় কীভাবে ব্যয় হয়?

(b) केषु विश्वासो न कर्तव्यः?

কাদের বিশ্বাস করা উচিত নয়?

(c) कः यथार्थः पण्डितः?

কে যথার্থ জ্ঞানী?

(d) को नाम हिरण्यकः? स कुत्र प्रतिवसति स्म?

হিরণ্যক কে? সে কোথায় বাস করত?

(e) कल्याणकामिना पुरूषेण के दोषाः हातव्याः?

কল্যাণকামী পুরুষের কোন দোষগুলি ত্যাগ করা উচিত?

(f) वायसस्य नाम किम्? स कुत्र प्रतिवसतिस्म? कमपश्यत् सः?

বায়সের নাম কী? সে কোথায় বাস করত? সে কাকে আসতে দেখল?

(g) शृगालस्य नाम किमासीत्? स कथं त्रस्तहृदयः अभवत्?

শৃগালের নাম কী ছিল? সে কেন ভয় করছিল?

(h) स्वामिसदृशा एव भवन्ति भृत्याः - इति कस्येयमुक्तिः कमुद्दिश्य सा तत् लिख्यताम्।

স্বামিসদৃশা এব ভবন্তি ভৃত্যাঃ - এই উক্তিটি কাকে উদ্দেশ্য করে কে বলেছে?

2. अधोस्तनेषु *द्वयोः* प्रश्नयोः समाधानं कर्तव्यम्। 5×2=10

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) अनुवादो विधेयः -

মাতৃভাষায় অনুবাদ করো ঃ

शोकस्थान सहस्राणि भयस्थान शतानि च।
दिवसे दिवसे मूढ़मावि‍शन्ति न पण्डितम्।।

अथवा,

भये वा यदि वा हर्षे सम्प्राप्ते यो विमर्शयेत्।
कृत्यं न कुरूते वेगान्न स सन्तापमाप्नुयात्।।

(b) कस्यचिदेकस्य सरलसंस्कृतेन व्याख्या कार्या।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

दातव्यमिति यदानं दीयतेऽनुपकारिणे।
देशे काले च पात्रे च तद्दानं सात्त्विकं स्मृतम्।।

अथवा,

अश्वः शस्त्रं शास्त्रं वीणा वाणी नरश्च नारी च।
पुरूषविशेषं प्राप्ता भवन्ययोग्याश्च योग्याश्च।।

(c) उचितं पदं समुचिते स्थाने योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरणीयानि।

(पुंसां, रामो, मृगाय, विपत्तिकाले, हेममृगस्य)

असम्भवं _____ जन्म,
तथापि _____ लुलुभे _____।
प्रायः समापन्न _____।।
धियोऽपि _____ मलिनीभवन्ति।।

(d) महात्मनां स्वभावसिद्धाः गुणाः आलोच्यन्ताम्।

মহাপুরুষদের স্বভাবসিদ্ধ গুণগুলি আলোচনা করো।

3. यथानिर्देशं प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20

যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) पठितकथामनुसृत्य चित्रग्रीवस्य आश्रित-वात्सल्यं प्रतिपाद्य 'त्रैलोक्यस्यापि प्रभुत्वं त्वयि युज्यते' - इत्युक्तेः सार्थकतां निरुपयत।

পঠিত কথার অনুসরণে চিত্রগ্রীবের আশ্রিতদের প্রতি বাৎসল্য প্রতিপাদন করে 'त्रैलोक्यस्यापि प्रभुत्वं त्वयि युज्यते'- এই উক্তির সার্থকতা বিচার করো।

(b) कङ्कणस्य तु लोभेन - इत्यत्र लोभस्य अन्तिमां दशां वृद्धपथिककथामाधारीकृत्य वर्णयत।

कङ्कणस्य तु लोभेन - এখানে লোভের চরম পরিণতি বৃদ্ধ-ব্যাঘ্র ও পথিকের কথার অবলম্বনে বর্ণনা করো।

(c) पाठ्यांशमनुसृत्य हितोपदेशस्य रचनाशैलीं प्रतिपादयत।

পাঠ্যাংশের অনুসরণে হিতোপদেশের রচনাশৈলী আলোচনা করো।

(d) न शब्दमात्राद् भेतव्यम् - कस्येदं वचनम्? स कथं श्रोतुः मनोव्यथां दूरीकर्तुं यतते? - इति श्रृगाल-दुन्दुभि-कथामुररीकृत्य विशदयत।

न शब्दमात्राद् भेतव्यम् - এই উক্তিটি কে, কার উদ্দেশ্যে করেছে? সে কীভাবে শ্রোতার মনোব্যাথা দূর করতে যত্নশীল? - শৃগাল-দুন্দুভি- কথার অনুসরণে বিস্তারিত আলোচনা করো।